University of Calcutta 2 Year Hindi MA Syllabus (NEP)

MA Hindi 1 st Year

1st Semester

No.	Paper Type	Paper Name	Page No
1	CC- 1	हिंदी साहित्य का इतिहास आधुनिक काल	2-5
2	CC- 2	भारतीय काव्यशास्त्र	6-9
3	CC- 3	तुलसीदास	10-12
4	DCEC (Any One)	1.1 मीडिया लेखन	13-15
		1.2 दलित विमर्श	16-18
		1.3 प्रवासी साहित्य	19-22
		1.4 तुलनात्मक साहित्य	23-25
		1.5 आदिवासी विमर्श	26-28
5	SEC-1	विज्ञापन और सृजनात्मक लेखन	29-31
6	ECC- 1	अनुवाद कला	32-34

M.A. HINDI 2 YEAR SYLLABUS (NEP)

एम. ए. हिंदी प्रथम वर्ष

सेमेस्टर-1

CC-1

हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

Course title &Code	Credits	Credits distribution of the course			Pre-requisite of the course(if any)	Content of Course and reference is in
		Leacture	Tutorial	Practical /Project		
CC-1 हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	4	3	1	___	B.A.third year qualified	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :-

1. हिंदी साहित्य के इतिहास का विश्लेष्णात्मक अध्ययन कराना |
2. आधुनिक काल की प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियों का परिचय कराना |
3. आधुनिक काल के विविध आयामों का साहित्यिक ज्ञान करवाना |

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम :-

1. विद्यार्थी साहित्येतिहास से परिचित हो सकेंगे |
2. आधुनिक साहित्य के परिवेश और प्रवृत्ति को जान सकेंगे |
3. विद्यार्थियों को विभिन्न काव्यधाराओं की जानकारी हो सकेगी |

इकाई :-1

आधुनिक काल : आधुनिकता की अवधारणा, इसका अभ्युदय और मध्यकाल से इसका पार्थक्य| नवजागरण की अवधारणा | हिंदी नवजागरण में बंगाल का योगदान |राष्ट्रीय नवजागरण की परम्परा और 1857 का स्वाधीनता संग्राम |

इकाई :-2

भारतेंदु हरिश्चंद्र एवं उनका काव्य मंडल : साहित्यक योगदान | महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण | राष्ट्रीय काव्यधारा |

इकाई :-3

स्वच्छंदतावाद के उदय और विकास की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि | छायावाद की विशेषताएँ | प्रगतिवादी साहित्य आन्दोलन और प्रगतिशील साहित्य का विकास | प्रयोगवाद | नये आधुनिक साहित्य के आन्दोलन नई कविता, नई कहानी, नया रंगमंच :सामान्य प्रवृत्तियां| आंचलिक उपन्यास |

इकाई :-4

साठोत्तरी साहित्यिक आन्दोलनों की प्रवृत्तियां जनवादी साहित्य | स्त्री लेखन का विकास और स्त्री साहित्य | दलित लेखन का विकास और दलित साहित्य |

इकाई :-5

भूमंडलीकरण और उत्तर-आधुनिक परिदृश्य | वर्तमान साहित्यिक रुझान| हाशिये के विमर्श- आदिवासी , पर्यावरण एवं अन्य |

अंकविभाजन:-

कुल अंक:- 100

लिखित :-75

आलोचनात्मक प्रश्न : 3 X 15 = 45

लघूत्तरी प्रश्न : 6 X 5 = 30

ट्युटोरियल / परियोजना / आन्तरिक मूल्यांकन : 25

सहायक ग्रंथ

1. रामचंद्र शुक्ल : हिंदी साहित्य का इतिहास
2. हजारी प्रसाद द्विवेदी : हिंदी साहित्य , उदद्भव और विकास
3. रामविलास शर्मा : भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएँ
4. नामवर सिंह : आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां
5. रामविलास शर्मा : महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण
6. नामवर सिंह : छायावाद
7. नामवर सिंह : इतिहास और आलोचना
8. बच्चन सिंह : हिंदी साहित्य का दुसरा इतिहास
9. नगेन्द्र : हिंदी साहित्य का इतिहास
10. गणपति चन्द्रगुप्त : हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास

CC – 2

भारतीय काव्य शास्त्र

Course title &Code	Credits	Credits distribution of the course			Pre-requisite of the course(if any)	Content of Course and reference is in
		Leacture	Tutorial	Practical /Project		
CC - 2 भारतीय काव्य शास्त्र	4	3	1	___	B.A.third year qualified	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :-

1. भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा को समझाना ।

2. प्रमुख काव्यशास्त्रीय सिद्धांतों का अध्ययन कराना।

3. प्रमुख आचार्यों और उनके योगदान को समझाना ।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम :-

1. साहित्य, भाषा और काव्य में रूचि रखने वाले विद्यार्थियों हेतु उपयोगी होगा।
2. भारतीय साहित्य की परंपरा और सौंदर्यबोध को आधुनिक दृष्टिकोण से समझने में सहायक होगा।
3. काव्यशास्त्रीय सिद्धांतों का प्रयोग कविता एवं साहित्य रचने हेतु प्रेरित करने में सहायक होगा।

इकाई;- 1

रस का स्वरूप, रस के अंग, साधारणीकरण, प्रमुख रसवादी आचार्यों की स्थापनाएं एवं सहृदय की अवधारणा ।

इकाई:- 2

अलंकार सिद्धांत - प्रमुख स्थापनाएँ, वक्रोक्ति सिद्धान्त, वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति और अभिव्यंजनावाद (क्रोचे) ।

इकाई:-3

ध्वनि सिद्धांत : ध्वनि का रूप और ध्वनि काव्य का वर्गीकरण ।

इकाई:- 4

प्रमुख बीज शब्द : अनुभूति, कल्पना, भाववाद, मानवतावाद, प्रतिबद्धता, आलोचनात्मक यथार्थवाद, अति
यथार्थवाद, विलगाव और व्यर्थताबोध ।

अंक विभाजन :-
लिखित - 75

आलोचनात्मक प्रश्न: 15 X 3 = 45

लघुत्तरी प्रश्न : 5 X 6 = 30

आंतरिक मूल्यांकन – 25

सहायक ग्रंथ

1. गणेश त्रयंबक देश पांडे: भारतीय साहित्यशास्त्र

2. रामचन्द्र शुक्ल : रस मीमांसा

3. सत्यदेव चौधरी : भारतीय काव्य शास्त्र

4. भोलाशंकर व्यासः ध्वनि संप्रदाय और उनके सिद्धान्त

5. डॉ. नगेंद्र : रीतिकाव्य की भूमिका, नेशनल पब्लिशिंग कंपनी, दिल्ली।

6. डॉ. नगेंद्र : रस सिद्धांत, नेशनल पब्लिशिंग कंपनी, दिल्ली।

7. हरिश्चंद्र वर्मा : भारतीय काव्यशास्त्र, हरियाणा ग्रंथ अकादमी, पंचकूला, हरियाणा।

8. भगीरथ मिश्र : हिंदी काव्यशास्त्र का इतिहास, हिंदी प्रकाशन लखनऊ विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश।

9. राममूर्ति त्रिपाठी: भारतीय काव्यशास्त्र के नये क्षितिज, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

तुलसीदास और उनका काव्य

Course title &Code	Credits	Credits distribution of the course			Pre-requisite of the course(if any)	Content of Course and reference is in
		Leacture	Tutorial	Practical /Project		
CC - 3 तुलसीदास और उनका काव्य	4	3	1	___	B.A.third year qualified	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :-

1. मध्यकालीन भारत के परिवेश और परिस्थितियों का अध्ययन कराना।
2. तुलसी साहित्य की प्रवृत्ति और प्रकृति का ज्ञान कराना।
3. तुलसी साहित्य की व्याप्ति और महत्ता की जानकारी देना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम :-

1. विद्यार्थियों को मध्यकालीन भारत की अवधारणा और स्वरूप का सम्यक बोध हो सकेगा।
2. तुलसी साहित्य की पूर्व पीठिका और गहराई की समझ विकसित होगी।
3. तुलसी साहित्य की भाषा, शिल्प और जीवन मूल्यों से परिचित हो सकेंगे ।

इकाई:- 1

तुलसीदास का जीवन परिचय । तुलसीदास का साहित्यिक लेखन । तुलसीदास की सामाजिक सांस्कृतिक परिस्थितियाँ ।

इकाई:- 2 –
रामचरितमानस - कलि वर्णन (दोहा सं० 97 - 103). (गीता प्रेस गोरखपुर)

इकाई:- 3 –
विनय पत्रिका - पद संख्या 1,5,17,30,36,41,45 72,78 79.

इकाई:- 4 –
राम लला नहछू - (पद)

आदि सारदा गणपती गौरी मनाइय हो।
कोटिन्ह बाजन बाजहि दसरथ के गृह हो।
गजमुक्ता हीरामनि चौक पुराइय हो।
बनि बनि आवति नारि जानि गृह मायन हो।
कौसल्या की जेठी दीन्ह अनुसासन हो ।
आजु अवधपुर आनंद नहछु राम क हो।
दसरथ राउ सिहासन बैठि बिराजही हो ।

अंक विभाजन :-
लिखित - 75

आलोचनात्मक प्रश्न: 15 X 3 = 45
लघुत्तरी प्रश्न : 5 X 6 = 30

आंतरिक मूल्यांकन – 25

सहायक ग्रंथ

1. तुलसीदास' – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. 'तुलसीदास' – डॉ. माताप्रसाद गुप्त
3. 'तुलसीदास' – नंदकिशोर नवल

4. 'तुलसीदासः भक्ति काव्य का नया उत्कर्ष' – डॉ. विद्यानिवास मिश्र

5. 'गोस्वामी तुलसीदास' – डॉ. उदयभानु सिंह

6. 'तुलसी का काव्य दर्शन' – डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
7. तुलसी के हिय हेरि :- आचार्य विष्णुकांत शास्त्री

DCEC -1.1

मीडिया लेखन

Course title &Code	Credits	Credits distribution of the course			Pre-requisite of the course(if any)	Content of Course and reference is in
		Leacture	Tutorial	Practical /Project		
DCEC -1 1 मीडिया लेखन	4	3	1	___	B.A.third year qualified	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :-

1. मीडिया की आधारभूत समझ विकसित कराना
2. मीडिया की सृजनात्मकता और मीडिया लेखन से परिचित कराना
3. मीडिया के विविध रूपों का परिचय कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम :-

1. विद्यार्थियों में मीडिया की आधारभूत समझ विकसित हो सके |
2. विद्यार्थीयों का मीडिया की सृजनात्मकता और मीडिया लेखन से परिचय होगा
3. विद्यार्थियों को मीडिया के विविध रूपों की समझ होगी

इकाई :-1

हिंदी, मीडिया और लोकतंत्र | मीडिया की सत्ता और संस्कृति |

इकाई :-2

समाचार लेखन, संपादकीय लेखन | पटकथा लेखन, फीचर, साक्षात्कार लेखन|

इकाई :-3

मीडिया के विविध आयाम|

इकाई :-4

वैश्वीकरण, मीडिया और हिंदी|

इकाई :-5

डिजिटल युग में मीडिया लेखन | सोशल मीडिया |

अंकविभाजन:-

कुल अंक:- 100

लिखित :-75

आलोचनात्मक प्रश्न : 3 X 15 = 45

लघूत्तरी प्रश्न : 6 X 5 = 30

आन्तरिक मूल्यांकन :- 25

सहायक ग्रंथ

1. मीडिया लेखन – सुमित चौहान
2. राम आह्लाद चौधरी: लोकतंत्र, मीडिया और हिंदी
3. राम आह्लाद चौधरी: मीडिया, खबरों की बुनियाद
4. मीडिया और लोकतंत्र : रवींद्रनाथ मिश्र
5. मीडिया का मार्क्सवादी परिप्रेक्ष्य : राम आह्लाद चौधरी
6. पटकथा लेखन : मनोहर श्याम जोशी
7. मीडिया, सत्ता और संस्कृति : राम आह्लाद चौधरी
8. मीडिया लेखन के सिद्धांत :एन. सी. पंत
9. कम्प्यूटर और हिन्दी : हरिमोहन

DCEC -1.2

दलित विमर्श

Course title &Code	Credits	Credits distribution of the course			Pre-requisite of the course(if any)	Content of Course and reference is in
		Leacture	Tutorial	Practical /Project		
DCEC - 1.2 दलित विमर्श	4	3	1	___	B.A.third year qualified	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :-

1. हिंदी दलित विमर्श की परंपरा से परिचित कराना |
2. हिंदी दलित साहित्य के विविध रूपों का परिचय कराना |
3. दलित उपन्यास और कहानियों से परिचय कराना |

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम :-

1. विद्यार्थी हिंदी दलित विमर्श की परंपरा से परिचित होंगे |
2. विद्यार्थी हिंदी दलित साहित्य के विविध रूपों का परिचय होंगे |
3. विद्यार्थी दलित उपन्यास और कहानियों से परिचय होंगे |

इकाई :-1

भारत में दलित आन्दोलन और इसकी प्रमुख प्रवृत्तियां |

इकाई :-2

दलित साहित्य: अवधारणा और स्वरूप |

इकाई :-3

उपन्यास: जूठन (ओमप्रकाश बाल्मीकि) |

इकाई :-4

उपन्यास: अछूत: दया पवार |

अंक विभाजन :-

आलोचनात्मक प्रश्न: 15 X 3 = 45

लघुत्तरी प्रश्न : 5 X 6 = 30

सहायक ग्रंथ

1. ओमप्रकाश बाल्मीकि: दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र
2. कंवल भारती: दलित विमर्श की भूमिका
3. श्योराज सिंह बेचैन और देवेन्द्र चौबे : चिंतन की परंपरा और दलित साहित्य
4. राजेन्द्र यादव (स०) : कानी सुर्खियां
5. पुन्नी सिंह कमला प्रसाद : भारतीय दलित साहित्य परिप्रेक्ष्य
6. चमन लाल: साहित्यमें दलित एवं स्त्री

DCEC -1.3

प्रवासी साहित्य

Course title &Code	Credits	Credits distribution of the course			Pre-requisite of the course(if any)	Content of Course and reference is in
		Leacture	Tutorial	Practical /Project		
DCEC - 1.3 प्रवासी साहित्य	4	3	1	___	B.A.third year qualified	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :-

1. प्रवासी साहित्य के विषय में समझ विकसित करना
2. प्रवासी संस्कृति और साहित्य के अंतर्संबंध का परिचय करवाना
3. प्रवासी साहित्य की विविध विधओं से परिचय करवाना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम :-

1. विद्यार्थियों की प्रवासी साहित्य के विषय में समझ विकसित होगा
2. विद्यार्थियों का प्रवासी संस्कृति और साहित्य के अंतर्संबंध का परिचय होगा
3. विद्यार्थियों का प्रवासी साहित्य की विविध विधाओं से परिचय होगा

इकाई :-1

प्रवासी साहित्य - अर्थ और अवधारणा |

इकाई :-2

उपन्यास :

अभिमन्यु अनत - लाल पसीना (राजकमल प्रकाशन)

सुशम बेदी - अँधेरे में जुगनू

तेजेंद्र शर्मा - कैक्टस के दाँत

अनिलप्रभा कुमार - सितारों में सूराख

इकाई :-3

कहानियाँ :

सुरेशचंद्र शुक्ल 'शरद आलोक' - विसर्जन |जकिया जुबेरी – साँकल |जय वर्मा – गुलमोहर |सुधा ओम ढींगरा - कौन सी जमीन अपनी| उषा राजे सक्सेना –औनत्रेपेंयौर | ऊषा प्रियंवदा – मछलियाँ | दिव्या माथुर - पंगा

इकाई :-4

कविताएँ :

पुष्पिता अवस्थी - पसीने का इतिहास, मकान का घर |शैलजा सक्सेना - भाषा मेरी माँ, चिड़िया का होना जरूरी है

|डॉ० पद्मेश गुप्त - माथे की शिकन, बर्लिन की दीवार | अचला शर्मा - परदेस में वसंत की आहट, एक प्रवासी भारतीय की घर की वापसी छुट्टियों पर

अंक विभाजन :-
लिखित - 75

आलोचनात्मक प्रश्न: 15 X 3 = 45

लघुत्तरी प्रश्न : 5 X 6 = 30

आंतरिक मूल्यांकन – 25

सहायक ग्रंथ

प्रवासी कहानियाँ: तेजेंद्र शर्मा (संपादक), सदीनामा प्रकाशन, कोलकाता

प्रवासी हिंदी साहित्य के विविध संदर्भ: डॉ. प्रतिभा मुदलियार (संपादक), अमन प्रकाशन, कानपुर

प्रवासी हिंदी साहित्य के विविध आयाम: प्रो. प्रदीप श्रीधर (संपादक), विद्या प्रकाशन, कानपुर

हिंदी का प्रवासी साहित्य (खंड-1) : डॉ. कमल किशोर गोयनका (संपादक), यश पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली

हिंदी प्रवासी कथा साहित्य (भाग 1) : डॉ. कल्पना गवली, माया प्रकाशन, कानपुर

हिंदी प्रवासी कथा साहित्य (भाग 2) : डॉ. कल्पना गवली, माया प्रकाशन, कानपुर

प्रवासी हिंदी साहित्य: बदलते तेवर: डॉ. अनुपमा तिवारी (संपादक), माया प्रकाशन, कानपुर

प्रवासी साहित्य: डॉ. एम. फिरोज खान (संपादक), रोशनी पब्लिकेशन्स, कानपुर

प्रवासी साहित्य दशा और दिशाएँ: सुश्री शालिनी सी. (संपादक), जवाहर पुस्तकालय, मथुरा

सुधा ओम ढींगरा रचनात्मकता की दिशाएँ: गुमा वंदना, शिवना प्रकाशन, सीहोर, मध्य प्रदेश

DCEC -1.4

तुलनात्मक साहित्य (हिंदी : बांग्ला के विशेष संदर्भ में)

Course title &Code	Credits	Credits distribution of the course			Pre-requisite of the course(if any)	Content of Course and reference is in
		Leacture	Tutorial	Practical /Project		
DCEC - 1.4 तुलनात्मक साहित्य (हिंदी : बांग्ला के विशेष संदर्भ में)	4	3	1	___	B.A.third year qualified	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :-

1. तुलनात्मक अध्य्यन की समझ विकसित करना ।
2. हिंदी और बंगला की साहित्यिक और सांस्कृतिक चेतना की पहचान कराना ।
3. हिंदी और बंगला साहित्य के पारस्परिक सम्बन्ध का परिचय कराना ।

पाठ्यक्रम अध्यन के परिणाम :-

1. विद्यार्थियों में तुलनात्मक अध्य्यन की समझ विकसित होगी ।
2. हिंदी और बंगला की साहित्यिक और सांस्कृतिक चेतना की पहचान होगी ।
3. विद्यार्थियों का हिंदी और बंगला साहित्य के पारस्परिक सम्बन्ध से । परिचय होगा

इकाई :-1

तुलनात्मक साहित्य का महत्व, उपयोगिता और सामान्य प्रविधि।

इकाई :-2

हिन्दी और बांग्ला साहित्य के तुलनात्मक अध्ययन की समस्याएँ।

इकाई :-3

उपन्यास साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन : प्रेमचंद (सेवासदन), शरतचंद्र (चरित्रहीन)।

इकाई :-4

कहानियों का तुलनात्मक अध्ययन : ताराशंकर बन्द्योपाद्याय (तीन शून्य) और फणीश्वर नाथ 'रेणु' (ठेस)।

इकाई :-5

कविताओं का तुलनात्मक अध्ययन : रवीन्द्रनाथ (संध्यासंगीत) और महादेवी वर्मा (सांध्यगीत)। सुनील गंगोपाध्याय (नीरा के लिए) और केदारनाथ सिंह (अकाल में सारस)।

इकाई :-6

लोक काव्य का तुलनात्मक अध्ययन - कबीर और लालन फकीर।

अंक विभाजन :-

आलोचनात्मक प्रश्न: 15 X 3 = 45
लघुत्तरी प्रश्न : 5 X 6 = 30

सहायक ग्रंथ

1. इन्द्रनाथ चौधरी : तुलनात्मक साहित्य : भारतीय परिप्रेक्ष्य

2. एन० ई० विश्वनाथ अय्यर : तुलनात्मक साहित्य
3. आर० के० दासगुप्ता : ईस्ट वेस्ट लिटरेरी रिलेशंस
4. नगेन्द्र (सं०) : तुलनात्मक साहित्य
5. सुकुमार सेन (बांग्ला साहित्य का इतिहास, अनुवाद – निर्मला जैन)
6. राजमल बोरा : तुलनात्मक साहित्य
7. बाउल कवि लालन साह : साधन और साहित्य – प्रो . रामेश्वर मिश्र
8. ताराशंकर बन्द्योपाध्याय एवं फनीश्वरनाथ रेनू के ग्राम केन्द्रित उपन्यासों का तुलनात्मक अध्यन : डॉ सोमा बन्द्योपाध्याय
9. पूर्व की अपूर्व दस्तके (साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन) - डॉ सोमा बन्द्योपाध्याय
10. नीरा के लिए : सुनील गंगोपाध्याय (अनुवादक: डॉ सोमा बन्द्योपाध्याय)
11. तुलनात्मक साहित्य : व्यवाहारिक विवेचन :सं. डॉ राजश्री शुक्ला

DCEC -1.5

आदिवासी विमर्श

Course title &Code	Credits	Credits distribution of the course			Pre-requisite of the course(if any)	Content of Course and reference is in
		Leacture	Tutorial	Practical /Project		
DCEC - 1.5 आदिवासी विमर्श	4	3	1	___	B.A.third year qualified	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :-

1. हिंदी आदिवासी विमर्श की परंपरा से परिचित कराना ।

2. हिंदी आदिवासी साहित्य के विविध रूपों का परिचय कराना ।
3. आदिवासी उपन्यास और कहानियों का परिचय कराना।

<u>पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम :-</u>

1. विद्यार्थी हिंदी आदिवासी विमर्श की परंपरा से परिचित होंगे ।
2. विद्यार्थी हिंदी आदिवासी साहित्य के विविध रूपों से परिचय होंगे ।
3. विद्यार्थी आदिवासी उपन्यास और कहानियों से परिचय होंगे ।

<u>इकाई :-1</u>

आदिवासी विमर्श : अवधारणा, आंदोलन और इतिहास।

<u>इकाई :-2</u>

आदिवासी कविता :
निर्मला पुतुल – उतनी दूर मत ब्याहना बाबा, संथाल परगना
अनुज लुगुन – बाघ और सुगना मुंडा की बेटी
रजनी तिलक – औरत और औरत में भी अंतर है।
जसिंता केरकेट्टा – मातृभाषा की मौत।

<u>इकाई :-4</u>

आदिवासी उपन्यास:
जंगल के दावेदार – महाश्वेता देवी

<u>इकाई :-5</u>

आदिवासी कहानी –
रमणिका गुप्ता – मांगो
पीटर पॉल एक्का – जंगल के तीर
वाल्टर भेंगडा तरुण – जंगल की ललकार
एलिस एक्का – दुर्गा के बच्चे

<u>अंक विभाजन :-</u>

आलोचनात्मक प्रश्न: 15 X 3 = 45

लघुत्तरी प्रश्न : 5 X 6 = 30

सहायक ग्रंथ

1. आदिवासी शौर्य एवं विद्रोह- सं. : रमणिका गुप्ता
2. आदिवासी : विकास से विस्थापन- सं. : रमणिका गुप्ता
3. आदिवासी साहित्य-यात्रा- सं. : रमणिका गुप्ता
4. आदिवासी कौन? - सं. : रमणिका गुप्ता
5. वाचिकता : आदिवासी दर्शन, साहित्य और सौंदर्यबोध - वंदना टेटे
6. आदिवासी साहित्य : परंपरा और प्रयोजन - वंदना टेटे
7. पुरखा का सवाल और आदिवासी साहित्य - वंदना टेटे
8. सबा और समकालीन आदिवासी साहित्य - वंदना टेटे
9. आदिवासी सौन्दर्यशास्त्र की प्रस्तावना - अनुज लुगुन
10. आदिवासी कहानी लेखन - डॉ. गंगा सहाय मीणा
11. नक्सली आदिवासी अंतः संबंध : एक वैचारिक संकट - डॉ. रमेश चंद मीणा
12. समकालीन हिंदी कहानी और आदिवासी जीवन संत्रास - डॉ. कुलदीप सिंह मीणा

SEC - 1
विज्ञापन और सृजनात्मक लेखन

Course title &Code	Credits	Credits distribution of the course			Pre-requisite of the course(if any)	Content of Course and reference
		Leacture	Tutorial	Practical /Project		

						is in
SEC - 1 विज्ञापन और सृजनात्मक लेखन	2	1	1	___	B.A.third year qualified	Annexure

<u>पाठ्यक्रम का उद्देश्य :-</u>

1. छात्रों को आधुनिक विज्ञापन की दुनिया समझ कराना
2. विज्ञापन में सर्वश्रेष्ठ कैरियर विकल्प- Eप्रतिभा के लिए तैयार करना।

<u>पाठ्यक्रम अध्यन के परिणाम</u>

1. विद्यार्थियों को विज्ञापन के प्रकार और लाभ के बारे में जानकारी हो सकेगी।
2. कौशल विकास से आत्मविश्वास और उद्यमिता (Entrepreneurship) बढ़ेगी।
3. छात्र प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया या विज्ञापन एजेंसियों में कार्य करने योग्य होंगे।

<u>इकाई:- 1</u>

विज्ञापन का परिचय और महत्व।
विज्ञापन में सर्वश्रेष्ठ कैरियर विकल्प।
नए उत्पादों को बाजार में पेश करने की रणनीतियाँ।

<u>इकाई:- 2</u>

आकर्षक विज्ञापन लेखन (Copywriting)।
विज्ञापन की भाषाई विशेषताएं। सरल, प्रभावी और आकर्षक भाषा में विज्ञापन लेखन।
लुभावने शब्दों का चयन।

<u>इकाई:- 3 –</u>

दृश्य और लेआउट डिजाइनिंग (Visual & Layout)।

विज्ञापित वस्तु का नाम, चित्र और बॉक्स का सही उपयोग।
कैनवा (Canva) जैसे टूल से डिजाइन बनाना।

इकाई:- 4
विज्ञापन माध्यम (Advertising Media)।

प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म। विज्ञापन माध्यमों की परिभाषा, प्रकार और मूल्यांकन।

इकाई:- 5
अंतिम प्रोजेक्ट

किसी एक उत्पाद के लिए खुद का विज्ञापन (PPT) तैयार करना।

अंक विभाजन :-
लिखित - 75

आलोचनात्मक प्रश्न: 15 X 3 = 45

लघुत्तरी प्रश्न : 5 X 6 = 30

आंतरिक मूल्यांकन – 25

सहायक ग्रंथ

1. डिजिटल पत्रकारिता : अर्थ एवं अवधारणा एवं विकासक्रम
2. डिजिटल पत्रकारिता के प्रमुख मंच / माध्यम। डिजिटल पत्रकारिता की विशेषताएँ।
3. डिजिटल समाचार लेखन। मल्टीमीडिया कौशल।
4. नैतिकता का पाठ। चुनौतियाँ।
5. अवसर एवं भविष्य।

EEC -1
अनुवाद कला

Course title &Code	Credits	Credits distribution of the course			Pre-requisite of the course(if any)	Content of Course and reference is in
		Leacture	Tutorial	Practical /Project		
EEC -1 अनुवाद कला	2	1	1	___	B.A.third year qualified	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :-

1. अनुवाद की आधारभूत समझ विकसित कराना |
2. अनुवाद और भाषा के अंतर्संबंध से परिचत कराना |

पाठ्यक्रम अध्यन के परिणाम :-

1. अनुवाद की बुनियादी समझ विकसित होगी |
2. अनुवाद के मूल सिद्धांतो का परिचय प्राप्त होगा |
3. रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों से अनुवाद के महत्व की जानकारी प्राप्त होगी |

इकाई:-1

अनुवादः परिभाषा और प्रकारः शब्दानुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, आशु अनुवाद, लिप्यंतर, पुनर्रचना, यंत्रानुवाद। अनुवाद की उपयोगिता ।

इकाई:- 2

अनुवाद की प्रक्रिया और प्रविधि । अनुवाद के विविध चरण, स्त्रोत भाषा और लक्ष्यभाषा। अनुवाद के सिद्धान्त : संदर्भ और प्रांसगौचित्य सिद्धान्त, संकेतार्थ सिद्धान्त, समतुल्यता का सिद्धान्त।

इकाई:- 3

अनुवाद के क्षेत्र और समस्याएँ: अनुवाद, साहित्यिक अनुवाद, गैर साहित्यिक अनुवाद , जनसंचार माध्यम(मीडिया) अनुवाद, तकनीकी- वैज्ञानिक अनुवाद। अनुवाद के उपकरणः कोश, पारिभाषिक शब्दावली, थिसारस, कंप्यूटर आदि।

इकाई:- 4

अनुवादक एवं दुभाषिए का महत्व, भूमिका और विशेषताएँ।

अंक विभाजन :-

लिखित - 75

आलोचनात्मक प्रश्न: 15 X 3 = 45

लघुत्तरी प्रश्न : 5 X 6 = 30

आंतरिक मूल्यांकन – 25

सहायक ग्रंथ

1. कैलाशचंद्र भाटिया : भारतीय भाषाएँ और हिन्दी अनुवाद: समस्या समाधान
2. राजमल बोराः अनुवाद क्या है
3. सुरेश कुमार: अनुवाद सिद्धान्त की रूपरेखा
4. एन० ई० विश्वनाथ अय्यरः अनुवादकला
5. भोलानाथ तिवारी : काव्यानुवाद की समस्याएँ
6. भोलानाथ तिवारी : अनुवाद विज्ञान
7. वयव्हारिक अनुवाद: पूर्णिमा आर

University of Calcutta 2 Year Hindi MA Syllabus (NEP)

MA Hindi 1 st Year

2nd Semester

No.	Paper Type	Paper Name	Page No
1	CC- 4	शोध प्रविधि	36-38
2	CC- 5	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	39-41
3	CC- 6	राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्य	42-44
4	OEC (Any One)	1.1- गीत और ग़ज़ल	45-47
		1.2 – पर्यावरण अध्ययन	48-50
5	SEC-2	साहित्य और सिनेमा	51-53
6	ECC- 2	डिजिटल माध्यम पत्रकारिता	54-56

सेमेस्टर-2

CC-4

शोध प्रविधि

Course title &Code	Credits	Credits distribution of the course			Pre-requisite of the course(if any)	Content of Course and reference is in
		Leacture	Tutorial	Practical /Project		
CC-4 शोध प्रविधि	4	3	1	___	B.A.third year qualified	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :-

1. शोध की आधारभूत समझ विकसित करना।
2. शोध की प्रविधि और प्रक्रिया से परिचय कराना ।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम :-

1. विद्यार्थियों में शोध की आधारभूत समझ विकसित होगी ।
2. विद्यार्थियों का शोध की प्रविधि और प्रक्रिया से परिचय होगा ।

इकाई:-1

शोध की अवधारणा, स्वरूप और प्रयोजन।

इकाई:-2

शोध के सोपान : चिंतन, विषय चयन, रूपरेखा निर्माण, शीर्षक, प्रस्तावना, पूर्वकृत कार्य की समीक्षा, परिकल्पना, परिशिष्ट।

इकाई:-3

शोध प्रबन्ध लेखन : विषय सूची, संकेत सूची, विषय प्रवेश, भूमिका, उपसंहार लेखन, अध्यायीकरण, सन्दर्भ ग्रन्थ सूची, नामों एवं विषयों की अनुक्रमणिका।

इकाई:-4

शोध संहिता एवं कंप्यूटर अनुप्रयोग।

इकाई:-5

शोध आचार संहिता : कॉपीराइट, साहित्यिक चोरी का उपचार।

अंक विभाजन :-

लिखित - 75

आलोचनात्मक प्रश्न: 15 X 3 = 45

लघुत्तरी प्रश्न : 5 X 6 = 30

आंतरिक मूल्यांकन – 25

सहायक ग्रंथ

1. अनुसन्धान और आलोचना : डॉ. नगेन्द्र
2. अनुसन्धान प्रविधि : सिद्धांत और प्रक्रिया : एस. एन. गणेशन, लोकभारती प्रकाशन
3. हिन्दी शोध तंत्र की रूपरेखा : मनमोहन सहगाल
4. अनुसन्धान के विविध आयाम : डॉ. रवीन्द्र कुमार जैन
5. शोध प्रविधि एवं प्रक्रिया : डॉ. शशि भूषण सिंहल
6. शोध के सिद्धांत और समस्याएं : डॉ. देवराज उपाध्याय, डॉ. रामगोपाल शर्मा
7. अनुसंधान का विवेचन : डॉ. उदयभानु सिंह
8. अनुसंधान के मूलतत्व : डॉ. विश्वनाथ प्रसाद (संपादित)

CC-5

पाश्चात्य काव्यशास्त्र

Course title &Code	Credits	Credits distribution of the course			Pre-requisite of the course(if any)	Content of Course and reference is in
		Leacture	Tutorial	Practical /Project		
CC-5 पाश्चात्य काव्यशास्त्र	4	3	1	___	B.A.third year qualified	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :-

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा को समझाना |
2. प्रमुख काव्यशास्त्रियों सिद्धान्तों का अध्ययन कराना |
3. प्रमुख चिंतकों और उनके योगदान को समझाना |

पाठ्यक्रम अध्यन के परिणाम

1. विद्यार्थियों में पाश्चात्य कव्यशास्त्र की परंपरा की समझ विकसित होगी |
2. विद्यार्थियों में प्रमुख काव्यशास्त्रिय सिद्धांतों की समझ विकसित होगी |
3. विद्यार्थी प्रमुख चिंतको और उनके योगदान को जान पाएंगे |

इकाई:-1

अरस्तू : अनुकरण और त्रासदी | वर्डसवर्थ और कालरिज के काव्य सिद्धांत, स्वच्छंदतावाद |

इकाई:-2

नई समीक्षा, टी०एस ०इलियट: निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत | आई० ए० रिचड्र्स: मूल्य और संप्रेषण |

इकाई:-3

साहित्य का समाजशास्त्र | मार्क्सवादी आलोचना-सिद्धांत, देरिदा का विखंडनवाद, रोलांबार्थ का संकेत विज्ञान, आधुनिकतावाद और उत्तरआधुनिकतावाद |

इकाई:-4

संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद और प्राच्यवाद |
अंक विभाजन

अंक विभाजन :-
लिखित - 75

आलोचनात्मक प्रश्न: 15 X 3 = 45

लघुत्तरी प्रश्न : 5 X 6 = 30

आंतरिक मूल्यांकन – 25

सहायक ग्रंथ

1. देवेन्द्र नाथ शर्मा: पाश्चात्य काव्यशास्त्र
2. शिव कुमार मिश्र: मार्क्सवादी साहित्याचिंतन: इतिहास तथा सिद्धान्त
3. निर्मला जैन: नई समीक्षा के प्रतिमान
4. बच्चनसिंह :आधुनिक हिन्दी आलोचना के बीज शब्द
5. डॉ० अमरनाथ: हिन्दी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली
6. डॉ० ओम प्रकाश शर्मा: पाश्चात्य साहित्य सिद्धान्त विवेचन
7. निर्मला जैन: पाश्चात्य साहित्य चिंतन
8. मैनेजर पाण्डेय: साहित्य के समाज शास्त्र की भूमिका

CC-6

राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्य

Course title &Code	Credits	Credits distribution of the course			Pre-requisite of the course(if any)	Content of Course and reference is in
		Leacture	Tutorial	Practical /Project		
CC-6 राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्य	4	3	1	___	M.A. 1ST Semester qualified	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :-

1. हिंदी के राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्य से परिचित कराना
2. राष्ट्रीयता और संस्कृति की भारतीय अवधारणा से परिचित कराना
3. हिंदी साहित्य के प्रमुख राष्ट्रीय सांस्कृतिक कवियों एवं उनकी कृतियों से अवगत कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम :-

- विद्यार्थी हिंदी के राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्य से परिचित हो सकेंगे
- विद्यार्थियों में राष्ट्रीयता और संस्कृति की भारतीय अवधारणा की समझ बढ़ेगी
- विद्यार्थी हिंदी साहित्य के प्रमुख राष्ट्रीय सांस्कृतिक कवियों एवं उनकी कृतियों को जान पाएंगे

इकाई:-1

मैथिलीशरण गुप्त : भारत भारती (भविष्यत् खण्ड) (प्रथम 15 पद)| माखनलाल चतुर्वेदी : कैदी और कोकिला,प्यारे भारत देश,बलि पंथी से, दीप से दीप जले

इकाई:-2 रामधारी सिंह दिनकर :कलम था कि तलवार, मेरे नगपति मेरे विशाल, सिंहासन खाली करो कि जनता आती है |
सुभद्रा कुमारी चौहान :स्वदेश के प्रति, जलियाँवाला बाग में वसंत,
बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' : विप्लव गायन, अरे तुम हो काल के भी काल

इकाई:-3
इकाई:-4
जयशंकर प्रसाद : कामायनी (श्रद्धा सर्)
सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' :जागो फिर एक बार , राम की शक्ति पूजा

इकाई:-5
महादेवी वर्मा :जाग तुझको दूर जाना, सब बुझे दीपक जलालूं
सुमित्रानंदन पंत :भारत माता, आः धरती कितना देती है

अंक विभाजन :-
लिखित - 75

आलोचनात्मक प्रश्न: 15 X 3 = 45

लघुत्तरी प्रश्न : 5 X 6 = 30

आंतरिक मूल्यांकन – 25

सहायक ग्रंथ

1. मैथिलीशरण गुप्त : प्रासंगिकता के अन्तःसूत्र : डॉ. कृष्णदत्त पालीवाल
2. मैथिलीशरण : नंदकिशोर नवल
3. मैथिलीशरण गुप्त काव्य : संदर्भ कोश : डॉ. नगेन्द्र
4. माखनलाल चतुर्वेदी व्यक्तित्व एवं कृतित्व : प्रेमनारायण टंडन (संपादित)
5. माखनलाल चतुर्वेदी का रचना संसार : डॉ. बद्रीप्रसाद विमल
6. आधुनिक हिन्दी कविता : डॉ. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
7. दिनकर : सृजन और चिंतन : डॉ. रेणु व्यास

8. बालकृष्ण शर्मा नवीन : भवानी प्रसाद मिश्र द्वारा लिखित
9. स्वाधीनता की चेतना और बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' का साहित्य : डॉ. बीना सोनी
10. धूपछांही दिनकर : डॉ. शंभुनाथ
11. दिनकर : एक पुनर्विचार : कुमार निर्मलेंदु
12. कामायनी का रचना संसार - प्रेमशंकर
13. महाप्राण निराला : पुनर्मूल्यांकन – डॉ प्रेमशंकर त्रिपाठी

OEC-1.1
गीत और ग़ज़ल

Course title &Code	Credits	Credits distribution of the course			Pre-requisite of the course(if any)	Content of Course and reference is in
		Leacture	Tutorial	Practical /Project		
OEC-1.1 गीत और ग़ज़ल	4	3	1	___	M.A. 1ST Semester qualified	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :-

1. गीत और ग़ज़ल की अवधारणा से परिचित कराना
2. हिंदी के गीतकारों और ग़ज़लकारों से परिचित कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम :-

1. विद्यार्थी गीत और ग़ज़ल की अवधारणा से परिचित होंगे
2. विद्यार्थी हिंदी के गीतकारों और ग़ज़लकारों को जन पाएंगे

इकाई :-1

हिन्दी गीत की पृष्ठभूमि और विकास।

इकाई :-2

हिन्दी ग़ज़ल की पृष्ठभूमि और विकास।

इकाई:-3

सोहनलाल द्विवेदी – (वंदना के इन स्वरों में, अलि रचो छंद)
भावानी प्रसाद मिश्र- (घर की याद, गीत फ़रोश)
हरिवंश राय बच्चन – (क्या करूँ संवेदना लेकर, है अंधेरी रात पर दीवा जलाना) |
रमानाथ अवस्थी - (मेरी रचना के अर्थ, करूँ क्या, मन चाहिए)

इकाई:-4

दुष्यंत कुमार – साए में धूप,
अदम गोंडवी – समय से मुठभेड़
कुंवर बेचैन – कोई आवाज देता है ,धुप चली मीलों तक
शिव ओम अम्बर – विष पीना विषमय मत करना , कभि खुशबू के ख़त होते हैं

अंक विभाजन :-

लिखित - 75

आलोचनात्मक प्रश्न: 15 X 3 = 45

लघुत्तरी प्रश्न : 5 X 6 = 30

आंतरिक मूल्यांकन – 25

सहायक ग्रंथ

1. सौंदर्य शास्त्र के तत्व : कुमार विमल
2. हिंदी ग़ज़ल के विविधआयाम: सरदार मुजावर
3. हिंदी ग़ज़ल : रोहिताश्व अस्थाना
4. दुष्यंत और उनका साहित्य : हरिवरण वर्मा

OEC-1.2

पर्यावरण अध्ययन

Course title &Code	Credits	Credits distribution of the course			Pre-requisite of the course(if any)	Content of Course and reference is in
		Leacture	Tutorial	Practical /Project		
OEC-1.2 पर्यावरण अध्ययन	4	3	1	___	M.A. 1ST Semester qualified	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :-

1. पर्यावरण अध्ययन की उपयोगिता एवं आवश्यकता से अवगत करना |
2. भारतीय साहित्य के पर्यावरण सम्बन्धी विचारों से परिचित कराना |
3. हिंदी के पर्यावरण सम्बन्धी साहित्य से परिचित कराना |

पाठ्यक्रम अध्यन के परिणाम :-

1. विद्यार्थी पर्यावरण अध्ययन की उपयोगिता एवं आवश्यकता को जान पाएंगे|
2. विद्यार्थी भारतीय साहित्य के पर्यावरण सम्बन्धी विचारों को जान पाएंगे|
3. विद्यार्थी हिंदी के पर्यावरण सम्बन्धी साहित्य से परिचित हो सकेंगे |

इकाई:-1

पर्यावरण : अवधारणा एवं परिभाषा, क्षेत्र, आवश्यकता और उपयोगिता।

इकाई:-2

मृदा और जल, नदी, तालाब, सागर आदि से संबंधित प्रदूषण के कारण, समस्याएँ और निदान, वृक्ष एवं वन संबंधी प्रदूषण, ग्रामीणऔर वन्य पादप तथा वन्य जीव-जन्तु।

इकाई:-3

प्राचीन भारतीय साहित्य में पर्यावरण संबंधी विचार : वैदिक साहित्य, पौराणिक साहित्य, रामायण, भक्ति साहित्य, भारतीय लोक संस्कृतिऔर पर्यावरण।

इकाई:-4

पर्यावरण प्रेरक काव्य : रामचरितमानस – गोस्वामी तुलसीदास (पाठ्य अंश- किष्किंधाकांड : दोहा संख्या - 14 से 17 तक), प्रतिनिधि कविताएँ : अरुण कमल (पाठ्य कविता – गंगा से प्यार)।

अंक विभाजन :-

लिखित - 75

आलोचनात्मक प्रश्न: 15 X 3 = 45

लघुत्तरी प्रश्न : 5 X 6 = 30

आंतरिक मूल्यांकन – 25

सहायक ग्रंथ

1. हरिश्चंद्र व्यास : पर्यावरण शिक्षा
2. दामोदर शर्मा : आधुनिक जीवन और पर्यावरण
3. हरिश्चंद्र व्यास : मानव और पर्यावरण
4. श्याम सुंदर शर्मा : सागर प्रदूषण
5. गोविंद चातक : प्रकृति, संस्कृति और पर्यावरण
6. शिव गोपाल मिश्र : वायु प्रदूषण
7. विश्वनाथ त्रिपाठी : लोकवादी तुलसीदास
8. अनुपम मिश्र : अब भी खरे है तालाब

SEC-2

साहित्य और सिनेमा

Course title &Code	Credits	Credits distribution of the course			Pre-requisite of the course(if any)	Content of Course and reference is in
		Leacture	Tutorial	Practical /Project		
SEC-2 साहित्य और सिनेमा	2	1	1	___	M.A. 1ST Semester qualified	Annexure

<u>पाठ्यक्रम का उद्देश्य :-</u>

1. साहित्य और सिनेमा के अंतर्संबंध से परिचित कराना
2. हिन्दी साहित्य और सिनेमा के इतिहास से परिचित कराना
3. सिनेमा और उसके गीतों की अभिव्यक्ति शैली से परिचित कराना

<u>पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम :-</u>

1. विद्यार्थी साहित्य और सिनेमा के अंतर्संबंध से परिचित होंगे
2. विद्यार्थी हिन्दी साहित्य और सिनेमा के इतिहास का ज्ञान पा सकेंगे
3. विद्यार्थी साहित्यिक कृतियों पर बनी फिल्मों का समीक्षात्मक अध्ययन कर सकेंगे

<u>इकाई:-1</u>

साहित्य और सिनेमा का अंतर्संबंध। हिन्दी साहित्य और सिनेमा का इतिहास।

<u>इकाई:-2</u>

सिनेमा की भाषा एवं अभिव्यक्ति शैली । साहित्यिक भाषा और सिनेमा की भाषा में अन्तर ।

इकाई:-3

हिन्दी सिनेमा में गीत, साहित्यिक गीतों से उनका अंतर, लोकगीत और सिनेमा के गीतों का संपर्क।

इकाई:-4

पटकथा अर्थ एवं आयाम, कथा एवं पटकथा का स्वरूप और लेखन

इकाई:-5

साहित्यिक कृतियों पर बनी फिल्मों का समीक्षात्मक अध्ययन – तीसरी कसम, पिंजर, गोदान, शतरंज के खिलाड़ी, रजनीगंधा और सारा आकाश।

अंक विभाजन :-

लिखित - 75

आलोचनात्मक प्रश्न: 15 X 3 = 45

लघुत्तरी प्रश्न : 5 X 6 = 30

आंतरिक मूल्यांकन – 25

सहायक ग्रंथ

1. रेशमी ख़बरों की धूपछाँह - प्रहलाद अग्रवाल
2. साहित्य और सिनेमा में अंतर्संबंध - नीरा जलछत्री
3. फिल्म का सौंदर्य शास्त्र और भारतीय सिनेमा - कमला प्रसाद
4. समकालीन फिल्मों के आइने में समाज - सत्यदेव त्रिपाठी
5. सिनेमा के बारे में - जावेद अख्तर
6. सिनेमा का समाजशास्त्र - जवरीमल पारिख
7. सिनेमा समाज साहित्य - शंभुनाथ

EEC-2

डिजिटल माध्यम पत्रकारिता

Course title &Code	Credits	Credits distribution of the course			Pre-requisite of the course(if any)	Content of Course and reference is in
		Leacture	Tutorial	Practical /Project		
EEC-2 डिजिटल माध्यम पत्रकारिता	2	1	1	___	B.A.third year qualified	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :-

1. डिजिटल पत्रकारिता की अवधारणा का सम्यक ज्ञान करवाना |
2. डिजिटल पत्रकारिता के विकासक्रम को समझाना |
3. AI, VR, AR और समाधान- केन्द्रित पत्रकारिता से परिचय करवाना |

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम :-

1. विद्यार्थियों को डिजिटल पत्रकारिता की अवधारणा का सम्यक ज्ञान होगा |
2. विद्यार्थी डिजिटल पत्रकारिता के विकासक्रम को जान पाएंगे |

3. विद्यार्थी व्यवहारिक जीवन में AI, VR, AR और समाधान- केन्द्रित पत्रकारिता से जुड़ सकेंगे |

इकाई:-1

डिजिटल पत्रकारिता : अर्थ एवं अवधारणा, डिजिटल पत्रकारिता का विकासक्रम

इकाई:-2

डिजिटल पत्रकारिता के प्रमुख मंच / माध्यम। डिजिटल पत्रकारिता की विशेषताएँ।

इकाई:-3

डिजिटल समाचार लेखन। मल्टीमीडिया कौशल ।

इकाई:-4

नैतिकता का पाठ। चुनौतियाँ । कॉपीराइट, प्लेजरिज्म और संवेदनशीलता ।

इकाई:-5

अवसर एवं भविष्य। AI, VR, AR और समाधान- केन्द्रित पत्रकारिता,।

अंक विभाजन :-

लिखित - 75

आलोचनात्मक प्रश्न: 15 X 3 = 45

लघुत्तरी प्रश्न : 5 X 6 = 30

आंतरिक मूल्यांकन – 25

सहायक ग्रंथ

1. डिजिटल मीडिया: चुनौतियां एवं संभावनाएं : डॉ. मो. ज़फरुल्लाह

2. सोशल मीडिया और पत्रकारिता : डॉ. संजीव भानावत

3. डिजिटल मीडिया और न्यू मीडिया: स्वरूप और सरोकार : डॉ. अर्जुन तिवारी

4. फेक न्यूज और सोशल मीडिया का सच : मुकुल शर्मा

University of Calcutta 2 Year Hindi MA Syllabus (NEP)

MA Hindi 2nd Year

3rd Semester

No.	Paper Type	Paper Name	Page No
1	CC- 7	स्वाधीनता आंदोलन और हिन्दी साहित्य	58-61
2	CC- 8	भारतीय ज्ञान परंपरा और हिन्दी साहित्य	62-65
3	CC- 9	कथा की भारतीय परंपरा और हिन्दी साहित्य	66-68
4	CC-10	नाटक की भारतीय परंपरा और हिन्दी रंगमंच	69-71
5	DCEC (Any One)	2.1- प्रयोजनमूलक हिन्दी	72-74
		2.2- हिन्दी आलोचना	75-77
		2.3- भारतीय साहित्य	78-80
		2.4- स्त्री विमर्श	81-83
		2.5- अस्मिता मूलक भाषा अध्ययन एवं समाज	84-86

एम. ए. हिंदी द्वितीय वर्ष

सेमेस्टर-3

CC-7

स्वाधीनता आंदोलन एवं हिंदी साहित्य

Course title &Code	Credits	Credits distribution of the course			Pre-requisite of the course(if any)	Content of Course and reference is in
		Leacture	Tutorial	Practical /Project		
CC-7 स्वाधीनता आंदोलन एवं हिंदी साहित्य	4	3	1	___	M.A. First Year qualified+ B.A. 4th Year qualified	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :-

1. स्वाधीनता आंदोलन की पृष्ठभूमि से परिचित कराना।
2. स्वाधीनता आंदोलन में साहित्य के योगदान से अवगत कराना।
3. प्रथम स्वाधीनता संग्राम के बाद की राष्ट्रीय-सांस्कृतिक परिदृश्य से अवगत कराना।

पाठ्यक्रम अध्यन के परिणाम

1. विद्यार्थी भारतीय राष्ट्रवाद के उदय की पृष्ठभूमि से अवगत हो सकेंगे।
2. स्वाधीनता आंदोलन से संबंधित साहित्यिक रचनाओं एवं रचना-दृष्टि से परिचित होंगे।
3. स्वाधीनता आंदोलन से संबद्ध सामाजिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक प्रवृत्तियों से अवगत होंगे।

इकाई:-1

स्वाधीनता आंदोलन की पृष्ठभूमि एवं विकास

- भारतीय राष्ट्रवाद का उदय
- स्वाधीनता आंदोलन के विविध चरण
- सामाजिक-धार्मिक और सांस्कृतिक आंदोलन

इकाई:-2 स्वाधीनता आंदोलन एवं हिंदी कविता

- स्वतंत्रता का दीपक: रामनरेश त्रिपाठी
- प्रबोधनी: प्रताप नारायण मिश्र
- जयशंकर प्रसाद: *हिमाद्रि तुंग श्रृंग से*
- *पंत - 15 अगस्त 1947'*
- शहीद स्तवन: रामधारी सिंह 'दिनकर'
- गिरजा कुमार माथुर – 15 अगस्त
    - (आज जीत की रात)

इकाई:-3

स्वाधीनता आंदोलन एवं कथा साहित्य

- कर्मभूमि: प्रेमचंद

- करवट (अध्याय 12) : अमृतलाल नागर
- स्वतंत्रता की लड़ाई: कृष्णा सोबती
- *शरणदाता – अज्ञेय*

इकाई:-4

स्वाधीनता आंदोलन :

हिंदी पत्रकारिता, नाटक एवं अन्य गद्य विधाएं

- भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है?: भारतेंदु हरिश्चंद्र
- तुम्हारी स्मृति (संस्मरण): माखनलाल चतुर्वेदी
- स्वाधीनता आंदोलन में हिंदी पत्रिकाओं का योगदान (उदन्त मार्तण्ड, बालाबोधिनी, विशाल भारत, हिंदी प्रदीप)
- चंद्रगुप्त (नाटक): जयशंकर प्रसाद

अंक विभाजन :-
लिखित - 75

आलोचनात्मक प्रश्न: 15 X 3 = 45

लघुत्तरी प्रश्न : 5 X 6 = 30

आंतरिक मूल्यांकन – 25

सहायक ग्रंथ

1. गुप्त, विश्वनाथ; हिंदी कविता में राष्ट्रीय भावना, भारतीय साहित्य मंदिर, दिल्ली।
2. टैगोर, रवींद्रनाथ; राष्ट्रवाद, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली।
3. दिनकर, रामधारी सिंह; संस्कृति के चार अध्याय, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
4. राय, बाबू गुलाब; राष्ट्रीयता, किताबघर प्रकाशन, दिल्ली।

5. सुंदरलाल; भारत में अंग्रेजी राज (प्रथम और द्वितीय खंड), प्रकाशन विभाग, नई दिल्ली।
6. राय, आलोक; हिंदी राष्ट्रवाद, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. डालमिया, वसुधा (लेखक) / कुमार, संजीव / दत्त, योगेंद्र (अनुवादक); हिंदू परंपराओं का राष्ट्रीयकरण, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।

CC-8

भारतीय ज्ञान परंपरा और हिंदी साहित्य

Course title &Code	Credits	Credits distribution of the course			Pre-requisite of the course(if any)	Content of Course and reference is in
		Leacture	Tutorial	Practical /Project		
CC-8 भारतीय ज्ञान परंपरा और हिंदी साहित्य	4	3	1	___	M.A. First Year qualified+ B.A. 4th Year qualified	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :-

1. भारतीय ज्ञान परंपरा की समग्र समझ विकसित करना।
2. भारतीय ज्ञान परंपरा और हिंदी साहित्य के सहसंबंध को व्याख्यायित करना।
3. ज्ञान की भारतीय समझ, राष्ट्रीयता और मूल्यबोध से परिचय कराना।

पाठ्यक्रम अध्यन के परिणाम

1. विद्यार्थी भारतीय ज्ञान परंपरा के महत्त्व और गौरवबोध से अवगत होंगे।
2. भारतीय ज्ञान के साहित्यिक संदर्भों से परिचित हो सकेंगे।
3. हिंदी साहित्य में उपस्थित भारतीय ज्ञान के उस और सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति जागरूक होंगे।

इकाई:-1

भारतीय ज्ञान की अवधारणा और परंपरा

- भारत: अर्थ, अवधारणा और स्वरूप एवं भारतीयता का बोध
- भारतीय ज्ञान: अर्थ, स्वरूप और परंपरा (भारतीय)
- परंपरा और आधुनिकता का अंतर्संबंध
- ज्ञान परंपरा, भारतीय मूल्य और ज्ञान की समाज केंद्रीयता

इकाई:-2

भारतीय ज्ञान : शास्त्रीय-साहित्यिक-दार्शनिक संबंध

- वाल्मीकि रामायण, महाभारत का परिचयात्मक अध्ययन
- कथासरित्सागर और पंचतंत्र का परिचयात्मक अध्ययन
- भक्ति काव्यधारा का दार्शनिक संदर्भ

इकाई:-3

भारतीय ज्ञान, धर्म तथा मूल्यबोध एवं हिंदी कविता

- सूरदास भ्रमरगीत सार (सं.रामचन्द्र शुक्ल) : ऊधो तुम हो अति बडभागी | हमारे हरि हारिल की लकरी | निर्गुण कौन देश को वासी |
- रहीम: दोहा संख्या : (1-10 रहीम ग्रंथावली, संपादक : विद्यानिवास मिश्र)
- महादेवी वर्मा: कह दे मां अब क्या देखूं
- कुंवर नारायण: अबकी बार लौटा तो

इकाई:-4

आख्यान की भारतीय परंपरा और हिंदी साहित्य

- प्रेमचंद: पंच परमेश्वर (कहानी)
- जैनेंद्र: पाजेब (कहानी)
- हजारी प्रसाद द्विवेदी: बाणभट्ट की आत्मकथा (उपन्यास)
- जयशंकर प्रसाद: ध्रुवस्वामिनी (नाटक)

अंक विभाजन :-

लिखित - 75

आलोचनात्मक प्रश्न: 15 X 3 = 45

लघुत्तरी प्रश्न : 5 X 6 = 30

<u>आंतरिक मूल्यांकन – 25</u>

<u>सहायक ग्रंथ</u>

1. हरि, वियोगी; हमारी परंपरा, सस्ता साहित्य मंडल, नयी दिल्ली।
2. अग्रवाल, वासुदेवशरण; पंचतंत्र
3. उपाध्याय, भगवतशरण; भारतीय संस्कृति की कहानी
4. अग्रवाल, वासुदेवशरण; भारत की मौलिक एकता
5. शर्मा, रामविलास; परंपरा का मूल्यांकन
6. शर्मा, रामविलास; भारतीय साहित्य की भूमिका
7. शर्मा, रामविलास; भारतीय संस्कृति और हिंदी प्रदेश
8. शर्मा, रामविलास; पश्चिमी एशिया और ऋग्वेद
9. रामचंद्र शुक्ल : आचार्य रामचंद्र शुक्ल
10. सूरदास - नंदकिशोर नवल
11. सूरदास - ब्रजेश्वर वर्मा
12. कबीर, सूर, तुलसी - योगेंद्र प्रताप सिंह
13. श्रीरामचरितमानस : टीका - तुलसीदास; रामनरेश त्रिपाठी
14. रामकथा : उत्पत्ति और विकास - फ़ादर कामिल बुल्के
15. महादेवी - सं. इन्द्रनाथ मदान
16. महीयसी महादेवी - गंगाप्रसाद पाण्डेय
17. महादेवी - दूधनाथ सिंह
18. भक्तिधारा के प्रतिनिधि – डॉ ऋषिकेश राय

CC-9

कथा की भारतीय परंपरा और हिंदी साहित्य

Course title &Code	Credits	Credits distribution of the course			Pre-requisite of the course(if any)	Content of Course and reference is in
		Leacture	Tutorial	Practical /Project		
CC-9 कथा की भारतीय परंपरा और हिंदी साहित्य	4	3	1	___	M.A. First Year qualified+ B.A. 4th Year qualified	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :-

1. कथा की भारतीय परंपरा से परिचय करना |
2. कथा की भारतीय परंपरा के अवधारणा की समझ बनाना

पाठ्यक्रम अध्यन के परिणाम :-

1. विद्यार्थी कथा की भारतीय परंपरा से परिचित होंगे |
2. विद्यार्थियों में कथा की भारतीय परंपरा के अवधारणा की समझ बनेगी |

इकाई:-1

कथा की भारतीय परंपरा और हिंदी साहित्य - अवधारणा और इतिहास

इकाई:-2

हिंदी कहानी विधा का विकाश और स्वरुप

इकाई:-3

कहानी / कथा विधा : राजेंद्र बाला घोष (बंग महिला – दुलाईवाली)| गुलेरी – उसने कहा था| प्रेमचंद – कफ़न | जयशंकर प्रसाद – पुरस्कार |फणीश्वर नाथ 'रेणु' – तीसरी कसम अज्ञेय – रोज (गैंग्रीन) | मन्नू भंडारी – यही सच है |भीष्म साहनी – चीफ़ की दावत | निर्मल वर्मा – परिंदे (या सुखा) | अमरकांत – दोपहर का भोजन

इकाई:-4

उपन्यास विधा: गोदान – प्रेमचंद | शेखर एक जीवनी (भाग-1) – अज्ञेय

अंक विभाजन :-

लिखित - 75

आलोचनात्मक प्रश्न: 15 X 3 = 45

लघुत्तरी प्रश्न : 5 X 6 = 30

आंतरिक मूल्यांकन – 25

सहायक ग्रंथ

1. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास - आर. सुरेन्द्रन 'आरसु'
2. आधुनिकता और हिन्दी उपन्यास - इंद्रनाथ मदान
3. अज्ञेय की उपन्यास यात्रा - ए. अरविंदाक्षन
4. उपन्यासों के रचना-प्रसंग - कुसुम वार्ष्णेय
5. हिंदी उपन्यास का इतिहास - गोपाल राय
6. अठारह उपन्यास - राजेंद्र यादव
7. हिंदी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा - रामदरश मिश्र
8. हिंदी कहानी का इतिहास 1, 2, 3 - गोपाल राय

9. कथाकार प्रेमचंद - जाफ़र रज़ा

10. नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति - देवीशंकर अवस्थी

11. कफ़न : एक पुनः पाठ - सं. : पल्लव

12. हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ - सुरेंद्र चौधरी

CC-10

नाटक की भारतीय परंपरा और हिंदी रंगमंच

Course title &Code	Credits	Credits distribution of the course			Pre-requisite of the course(if any)	Content of Course and reference is in
		Leacture	Tutorial	Practical /Project		
CC-10 नाटक की भारतीय परंपरा और हिंदी रंगमंच	4	3	1	___	M.A. First Year qualified+ B.A. 4th Year qualified	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :-

1. भारतीय नाट्य चिंतन की परंपरा की समझ विकसित करना।
2. भारतीय भाषाओं के नाटकों द्वारा भारतीय सांस्कृतिक चेतना की पहचान करवाना।
3. भारतीय भाषाओं में लिखित नाटकों द्वारा वैविध्य में निहित भारतीयता की एकरूपता का बोध कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम :-

1. विद्यार्थियों को भारतीय नाट्य चिंतन परंपरा का ज्ञान प्राप्त होगा।
2. नाट्य लेखन तथा रंगकर्म में प्रादेशिक पारस्परिक आदान-प्रदान संबंधी समझ विकसित होगी।
3. भारतीय संस्कृति की विराटता का परिचय प्राप्त हो सकेगा।

इकाई:-1

भरतमुनि का नाट्य चिंतन रंगमंच की अवधारणा

1. अभिनेयता – नायक-नायिका एवं अन्य पात्र
2. सहृदय की अवधारणा
3. हिन्दी रंगमंच का इतिहास
4. नया रंगमंच, नुक्कड़ नाटक, लोकनाट्य : अवधारणा और विशेषताएँ

इकाई:-2

शाकुंतल – महाकवि कालिदास (संस्कृत से हिंदी रूपांतरण – मोहन राकेश, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)

इकाई:-3

भारतेंदु हरिश्चन्द्र- अंधेर नगरी, जयशंकर प्रसाद- स्कंदगुप्त, मोहन राकेश- आधे अधूरे

इकाई:-4

एकांकियाँ:

भोर का तारा – जगदीशचंद्र माथुर|नए मेहमान – उदय शंकर भट्|
राष्ट्र मंदिर – हरिकृष्ण प्रेमी|

अंक विभाजन :-

लिखित - 75

आलोचनात्मक प्रश्न: 15 X 3 = 45

लघुत्तरी प्रश्न : 5 X 6 = 30

आंतरिक मूल्यांकन – 25

सहायक ग्रंथ

1. अग्रवाल, प्रतिभा (संपादक); भारतीय रंगकोश, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. त्रिपाठी, राधावल्लभ; नाट्यशास्त्र विश्वकोश, न्यू भारतीय बुक कॉर्पोरेशन, नयी दिल्ली।
3. अल्काजी, इब्राहिम; आज के रंग नाटक, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नयी दिल्ली।
4. आनंद, महेश; रंग दस्तावेज : सौ साल (भाग 1 एवं 2), वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
5. चतुर्वेदी, सीताराम; भारतीय तथा पाश्चात्य रंगमंच, हिंदी समिति सूचना विभाग, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।
6. अवस्थी, सुरेश; हे सामाजिक, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नयी दिल्ली।
7. तनेजा, जयदेव; नई रंग चेतना और हिंदी नाटककार, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।
8. अग्रवाल, कुंवरजी; आधुनिक नाटक का अन्वेषण कुछ पश्चिमी दस्तावेज, मोतीलाल बनारसीदास पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली।

DCEC-2.1
प्रयोजन मूलक हिन्दी

Course title &Code	Credits	Credits distribution of the course			Pre-requisite of the course(if any)	Content of Course and reference is in
		Leacture	Tutorial	Practical /Project		
DCEC-2.1 प्रयोजन मूलक हिन्दी	4	3	1	___	M.A. First Year qualified+ B.A. 4th Year	Annexure

					qualified	

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :-

1. हिंदी के विविध रूपों से परिचय करवाना |
2. संवैधानिक एवं कर्यालयी हिंदी से परिचय करवाना |
3. नागरीलिपि की वैज्ञानिकता का ज्ञान करवाना |

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम:-

1. विद्यार्थी हिंदी के विविध रूपों से परिचित हो पाएंगे |
2. विद्यार्थियों में संवैधानिक एवं कर्यालयी हिंदी की समझ बन सकेगी |
3. विद्यार्थियों में नागरीलिपि की वैज्ञानिकता की समझ बनेगी |

इकाई:-1

हिन्दी के विभिन्न रूप: राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा, बोली और मानक भाषा।

इकाई:-2

राजभाषा विषयक संवैधानिक प्रावधान राजभाषा अधिनियम (अनुच्छेद 343 से 351 तक), राजभाषा अधिनियम 1963 (यथा संशोधित 1967), राजभाषा संकल्प 1968 (यथाअनुमोदित 1991), राजभाषा अधिनियम 1976 ।

इकाई:-3

राजभाषा हिन्दी में पारिभाषिक शब्दावली की समस्याएँ। नागरी लिपि की वैज्ञानिकता और उसका मानकीकरण, वर्तनी का मानकीकरण।

इकाई:-4

मीडिया लेखन, दृश्य-श्रव्य माध्यम लेखन, विज्ञापन

इकाई:-5

कंप्यूटर, इन्टरनेट और हिन्दी।

अंक विभाजन :-

लिखित - 75

आलोचनात्मक प्रश्न: 15 X 3 = 45

लघुत्तरी प्रश्न : 5 X 6 = 30

आंतरिक मूल्यांकन – 25

सहायक ग्रंथ

1. देवेन्द्रनाथ शर्मा : राष्ट्रभाषा हिन्दी समस्याएँऔर समाधान
2. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव एवं भोलानाथ तिवारी: व्यावहारिक हिन्दी।
3. रामविलास शर्मा: भारत की भाषा समस्या
4. ओमप्रकाश शर्मा : हिन्दी आलोचना और टिप्पण
5. दंगल झाल्टे : प्रयोजनमूलक हिन्दी सिद्धान्त और प्रयोग
6. राजभाषा हिन्दी : भोलानाथ तिवारी
7 विनोद गोदरेः प्रयोजनमूलक हिन्दी
8. अनंत चौधरी: नागरी लिपि: लिपि और वर्तनी

DCEC-2.2
हिंदी आलोचना

Course title &Code	Credits	Credits distribution of the course			Pre-requisite of the course(if any)	Content of Course and reference is in
		Leacture	Tutorial	Practical /Project		
DCEC-2.2 हिंदी आलोचना	4	3	1	___	M.A. First Year qualified+ B.A. 4th Year qualified	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :-

1. हिंदी निबंधो के माध्यम से आलोचना दृष्टि का विकास करवाना
2. हिंदी के प्रमुख आलोचकों के दृष्टिकोण से परिचय करवाना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम :-

1. विद्यार्थी हिंदी के प्रमुख आलोचकों के दृष्टिकोण को समझ पाएंगे |
2. विद्यार्थियों में साहित्यिक आलोचना दृष्टि विकासित हो सकेगी |

इकाई:-1

रामचन्द्र शुक्ल : कविता क्या है, काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था।

इकाई:-2

हजारी प्रसाद द्विवेदी: परंपरा और आधुनिकता, साहित्य का नया रास्ता

इकाई:-3

रामविलास शर्मा : संस्कृति और जातीयता, साहित्य और लोकजीवन

इकाई:-4

नामवर सिंह : काव्य बिंब और सपाट बयानी, संस्कृति और सौन्दर्य।

अंक विभाजन :-

लिखित - 75

आलोचनात्मक प्रश्न: 15 X 3 = 45

लघुत्तरी प्रश्न : 5 X 6 = 30

आंतरिक मूल्यांकन – 25

सहायक ग्रंथ

1. नन्द किशोर नवल : हिन्दी आलोचना का विकास
2. विश्वनाथ त्रिपाठी: हिन्दी आलोचना
3. रामचन्द्र तिवारी: हिन्दी आलोचना: शिखरों का साक्षात्कार
4. रामविलास शर्मा : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना
5 नामवर सिंह: दूसरी परंपरा की खोज
6. शंभुनाथ : रामचन्द्र शुक्ल और बौद्धिक उपनिवेशवाद की चुनौती
7. शिवप्रसाद सिंह: शांतिनिकेतन से शिवालिक
8. गीता शर्मा: रामविलास शर्मा और परंपरा का मूल्यांकन

9. डॉ. लहरी राम मीणा-सृजन के विविध रूप और आलोचना, वाणी प्रकाशन

10. डॉ. लहरी राम मीणा- आलोचना का जनतंत्र हंस प्रकाशन

DCEC-2.3
भारतीय साहित्य

Course title &Code	Credits	Credits distribution of the course			Pre-requisite of the course(if any)	Content of Course and reference is in
		Leacture	Tutorial	Practical /Project		
DCEC-2.3 भारतीय साहित्य	4	3	1	___	M.A. First Year qualified+ B.A. 4th Year qualified	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :-

1. भारतीय साहित्य की अवधारणा और स्वरूप से परिचय करवाना
2. भारत के भाषाई परिदृश्य और बहुलतावादी सांस्कृतिक चिंतन से परिचय करवाना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम:-

1. विद्यार्थी भारतीय साहित्य की अवधारणा और स्वरूप से परिचित होंगे|

2. विद्यार्थी भारत के भाषाई परिदृश्य और बहुलतावादी सांस्कृतिक चिंतन से परिचित होंगे|

इकाई:-1

भारतीय साहित्य : अवधारणा और स्वरूप।

इकाई:-2

भारत का भाषाई परिदृश्य और सांस्कृतिक चिंतन ।

इकाई:-3

छः बीघा जमीन (फकीर मोहन सेनापति), मृत्युंजय (शिवाजी सावंत)

इकाई:-4

मछुआरे (तकषी शिवशंकर पिल्लै), चित्रप्रिया (अखिलन)

अंक विभाजन :-

लिखित - 75

आलोचनात्मक प्रश्न: 15 X 3 = 45

लघुत्तरी प्रश्न : 5 X 6 = 30

आंतरिक मूल्यांकन – 25

सहायक ग्रंथ

1. रामविलास शर्मा : भारतीय साहित्य की भूमिका
2. इंद्रनाथ चौधुरी : तुलनात्मक साहित्य: भारतीय परिप्रेक्ष्य
3. नगेंद्र : भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा (भाग-1)
4. के. एम. मालती : स्त्री विमर्श: भारतीय परिप्रेक्ष्य

5. रामछबीला त्रिपाठी : भारतीय साहित्य

6. परिस्मिता बरदलई और आरसू : भारतीय साहित्य का भावसंसार

DCEC-2.4
स्त्री विमर्श

Course title &Code	Credits	Credits distribution of the course			Pre-requisite of the course(if any)	Content of Course and reference is in
		Leacture	Tutorial	Practical /Project		
DCEC-2.4 स्त्री विमर्श	4	3	1	___	M.A. First Year qualified+ B.A. 4th Year qualified	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :-

1. स्त्री विमर्श की अवधारणा से परिचय करवाना |
2. भारत में स्त्री आंदोलन के इतिहास का परिचय करवाना|
3. स्त्री विमर्श की प्रमुख रचनाओं से परिचय कराना |

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम :-

1. विद्यार्थी स्त्री विमर्श की अवधारणा को समझ पाएंगे |
2. विद्यार्थी भारत में स्त्री आंदोलन के इतिहास का ज्ञान हो पायेगें |
3. विद्यार्थी स्त्री विमर्श की प्रमुख रचनाओं जानेगें |

इकाई:-1

भारत में स्त्री आंदोलन एवं इसकी प्रमुख प्रेरणाएँ।

इकाई:-2

श्रृंखला की कड़ियाँ (महादेवी वर्मा)

इकाई:-3

उपन्यास : शाल्मली (नासिरा शर्मा)।

इकाई:-4

कहानियाँ : राजेन्द्र बाला घोष (दुलाईवालीं), सुभद्रा कुमारीचौहान (राही), कृषणा सोबती (सिक्का बदल गया), नमिता सिंह (परिचय), मन्नू भंडारी (तीसरा किस्सा), नासिरा शर्मा (पाँचवाँ बेटा).

अंक विभाजन :-

लिखित - 75

आलोचनात्मक प्रश्न: 15 X 3 = 45

लघुत्तरी प्रश्न : 5 X 6 = 30

आंतरिक मूल्यांकन – 25

सहायक ग्रंथ

1. राधा कुमार : स्त्री संघर्ष का इतिहास

2. प्रभा खेतान : उपनिवेश में स्त्री

3. अमरनाथ : नारी का मुक्ति संघर्ष

4. जगदीश्वर चतुर्वेदी : स्त्रीवादी साहित्य विमर्श

5. जसोधरा बागची : इंडियन वीमेन: मिथ एण्ड रियलिटि

6. वसुधा : स्त्री मुक्ति का सपना (विशेषांक 2004)

7. रेखा कस्तवार : स्त्री चिंतन की चुनौतियां

8. प्रभा दीक्षितः स्त्री अस्मिता के सवाल

9. अरविंद जैन: औरत अस्तित्व और अस्मिता

10. ममता कालिया (संपादक): नयी सदी की पहचान श्रेष्ठ महिला कथाकार

DCEC-2.5
अस्मितामूलक भाषा अध्ययन एवं समाज

Course title &Code	Credits	Credits distribution of the course			Pre-requisite of the course(if any)	Content of Course and reference is in
		Leacture	Tutorial	Practical /Project		
अस्मितामूलक भाषा अध्ययन एवं समाज	4	3	1	___	M.A. First Year qualified+ B.A. 4th Year qualified	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :-

1. भाषिक समुदाय की अवधारणा को बताना |
2. अस्मितामूलक भाषा और अस्मिता निर्माण की प्रक्रिया को समझाना |
3. भाषा और सामाजिक संदर्भ के स्वरुप को समझाना |

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम :-

1. विद्यार्थी भाषिक समुदाय की अवधारणा को जान पाएंगें |
2. विद्यार्थी अस्मितामूलक भाषा और अस्मिता निर्माण की प्रक्रिया को जानेगें |
3. विद्यार्थी को भाषा के सामाजिक संदर्भ के पारस्परिक सम्बन्ध को समझ सकेंगे |

इकाई:-1

अस्मितामूलक भाषा और अस्मिता निर्माण की प्रक्रिया, भाषा और वर्ग, भाषा और जेंडर, स्त्री भाषा ,भाषा और स्थानीयता,भाषा और संस्कृति

इकाई:-2:

भाषिक समुदाय और संप्रेषण प्रक्रिया |भाषिक समुदाय की अवधारणा | भाषिक समुदाय और संप्रेषण की विशिष्टता | संप्रेषण की प्रक्रिया | भाषिक समुदाय और संस्कृति के निर्माण में संप्रेषण की भूमिका

इकाई:-3

भाषा और संपर्क |भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार | पिजिन और क्रियोल |द्विभाषिकता और बहुभाषिकता

इकाई:-4

भाषा और सामाजिक संदर्भ| संबोधन-शब्दावली | रिश्ते-नाते की शब्दावली |सोशल मीडिया की शब्दावली (मीम्स, इमोजी और संक्षिप्तियां)| भाषा अनुरक्षण और विस्थापन

इकाई:-5

अंक विभाजन :-

लिखित - 75

आलोचनात्मक प्रश्न: 15 X 3 = 45

लघुत्तरी प्रश्न : 5 X 6 = 30

आंतरिक मूल्यांकन – 25

सहायक ग्रंथ

1. श्रीवास्तव, रवींद्रनाथ; भाषाई अस्मिता और हिंदी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

2. श्रीवास्तव, रवींद्रनाथ; हिंदी भाषा का समाजशास्त्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

3. शर्मा, रामविलास; भाषा और समाज, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

4. मुकुल, प्रो. मंजु; संप्रेषण चिंतन और दक्षता, शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली।

5. शर्मा, देवेंद्रनाथ; भाषाविज्ञान की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

6. तिवारी, भोलानाथ; भाषाविज्ञान, किताब महल प्रकाशन, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।

7. शर्मा, राजमणि; आधुनिक भाषाविज्ञान, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

8. फील्ड, ब्लूम (अनुवाद: विश्वनाथ प्रसाद); भाषा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।

9. तिवारी, उदय नारायण; भाषाशास्त्र की रूपरेखा, भारती भंडार लीडर प्रेस, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश ।

एम. ए. हिंदी द्वितीय वर्ष

सेमेस्टर-4

लघु शोध प्रबंध लेखन (व्यावहारिक) : 16 – Credit

साहित्यिक-सांस्कृतिक शोध सर्वेक्षण : 4 – Credit

X